M.A. 1st Semester Examination, 2023

HINDI

(*मध्यकालीन काव्य*)

PAPER—HIN-102

Full Marks : 50

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(*क*) पठित पदों के आधार पर कबीर के रहस्यवाद पर विचार कीजिए ।

(*ख*) तुलसीदास के 'कलिवर्णन' की विवेचना कीजिए ।

(*ग*) मीराबाई की विरह-भावना पर प्रकाश डालिए ।

(*Turn Over*)

(घ) 'घनानन्द प्रेम की पीर के गायक हैं' इस कथन के आलोक में घनानन्द के पदों की समीक्षा कीजिए ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4

(क) मन रे मन ही उलटि समॉना
गुरु प्रसाद अकलि भइ तोकों नही तर था बेगाना
नैड़े थे दूरि दूर थैं नियरा, जिनि जैसा करि जाना
औ लौ ठीका चढ्या बलीडै जिनि पीया तिनि माना
उलटे पवन चक्र षट बेधा, सुन सुरति लै लागि
अमर न मरै मरै नहीं जीवै, ताहि खोजि वैरागी —
इस पद की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए ।

(ख) नागमति के वियोग पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

(ग) संत असंतन्हि कै असिकरनी । जिमि कुठार चंदन आचरनी ।
काटई परसु मलय सुनुभाई । निजगुन देइ सुगंध बसाई ।।
— पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'बिहारी नीति के सच्चे साधक हैं — पठित दोहों के आधार पर विवेचना कीजिए ।

(ङ) हीन भए जल मीन अधीन कहा कछु मे । अकुलानि समाने
नीर सनेही को लाय अलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै ।
—पद की भाषा-शैली पर विचार कीजिए ।

(च) आयो घोष बड़ो व्यापारी
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरे निपट सुधारी
— पद का मूल भाव स्पष्ट कीजिए ।

[Internal Assessment — 10 Marks]